Roll No. : | | | | | | | | | | |

कुल प्रश्नों की संख्या : 14] [कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 08

Total No. of Questions : 14] [Total No. of Printed Pages : 08

L-242010/810-B

हायर सेकण्डरी परीक्षा / Higher Secondary Examination

विषय : हिन्दी

Subject : Hindi

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 80

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : 80

नोट :- सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

सामान्य निर्देश :-

(i) प्रश्न पत्र के सभी प्रश्नों को तीन खण्ड 'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(ii) खण्ड 'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(iii) खण्ड 'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिये गये हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(iv) खण्ड 'ग' के 'आरोह' भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(v) खण्ड 'ग' के 'वितान' भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।

खण्ड 'क'

प्रश्न-1 अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

"यों तो पहली बार किए गए हर काम में खतरा है, जोखिम है, उसके बिगड़ने का भय और उस बिगाड़ से उत्पन्न दूसरे खतरों की संभावनाएँ हैं, किंतु उसमें अपना एक अनोखा रस भी होता है। यदि उस अनुभव के बीच से गुजरते हुए हमारे साथ कोई दुर्घटना भी हो जाती है, तो उसकी वह स्मृति भी आनंदप्रद है। जब मैंने पहली बार चाय बनाई, तो जिस अनुभव के बीच से मैं गुजरी, वह सचमुच खतरनाक था। उस दिन माँ कहीं पड़ोस में गई थी और मैं अपना हिंदी का गृह कार्य निपटाने में लगी थी की इसी बीच असमय ही, नियत समय से कुछ पहले पिताजी अपने दफ्तर से आ गए। मैंने सोचा कि माँ की अनुपस्थिति में मैं ही आज पिताजी को चाय पिलाकर आश्चर्य चकित करने के साथ साथ कुछ प्रशंसा भी लूट लूँ। मैं उठी और रसोई में जाकर मैंने चाय का पानी चढ़ा दिया। मुझे ठीक अंदाजा नहीं था कि पानी कितना चढ़ाया जाए, अतएव मैंने एक गिलास पानी यह सोच कर चढ़ा दिया कि गर्म होने पर कुछ पानी जल जाएगा। पानी अभी उबला भी नहीं था कि मैंने उसमें चाय और चीनी के साथ-साथ एक गिलास दूध भी डाल दिया। मुझे पता नहीं था कि चाय की पत्तियाँ कितनी डाली जाएँ। मैंने दो चम्मच भरकर चाय पत्ती डाल दी और चार चम्मच चीनी। कुछ ही देर में चाय उबलने लगी, किंतु चाय का रंग काला ही बना रहा। मैंने उसमें कुछ और दूध डाल दिया। उबलने पर जैसे ही मैं चाय को नीचे उतारकर छानने लगी, मेरा हाथ गिलास पर लग गया, जिससे भरा गिलास नीचे गिरकर टूट गया और चाय मेरे कपड़ों को तर करती और पैरों को जलाती फर्श पर बिखर गई। पिताजी दौड़कर आए और उन्होंने मेरे पैरों

पर तुरत ठंडा पानी डाला और मुझे कपड़े बदलने के लिए कहा। मेरी सारी उम्मीदों पर पानी फिर गया। आज भी जब-तब मुझे मेरा वह पहला चाय बनाने का अनुभव रोमांचित कर जाता है।"

(i) पहली बार किए जाने वाले किसी भी काम में किस बात की संभावना होती है? |2

(ii) लेखिका के अनुसार किसकी स्मृति आनंदप्रद है? |2

(iii) लेखिका का कौन-सा अनुभव खतरनाक था? |2

(iv) लेखिका ने क्या सोचकर चाय बनाने का निर्णय लिया? |2

(v) लेखिका की उम्मीदों पर किस प्रकार पानी फिर गया? समझाइए। |2

(vi) चाय का रंग काला ही बना रहा, क्यों? |1

(vii) उपसर्ग अलग कीजिए - |½+½=1

दुर्घटना, अनुपस्थिति

प्रश्न-2 अधोलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर, संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

"हम सुनने गये थे छंद शरद की रातों में
मंचस्थ थे कवि मुक्तानंद शरद की रातों में
सुनावें कविता स्वच्छंद शरद की रातों में
हमें समझें मूर्खानन्द शरद की रातों में
बिन तुक-तान के गला फाड़ें
यति-गति की भुजा उखाड़ें
विरोधी को धोबी पाट पछाड़ें
सारा ज्ञान कविता में झाड़ें
चाहत थी कलाकन्द शरद की रातों में
मिला वहाँ शकरकन्द शरद की रातों में।

गद्य को पद्य की लय में ढाले
और लोक कवि का भ्रम है पाले।
चलकर उल्टी-सीधी चालें
बनते साहित्य के रखवाले
करे खूब लंद-फंद शरद की रातों मे
माने श्रोता को मतिमंद शरद की रातों में॥

(i) श्रोता कब और क्या सुनने गये थे? [½+½=1]

(ii) कौन किसको मूर्खानन्द समझ रहा था? [½+½=1]

(iii) प्रस्तुत कविता का प्रधान रस कौन सा है? [1]

(iv) प्रस्तुत कविता में से कोई 2 मुहावरा/कहावत पहचान कर लिखिए। [1]

खण्ड – 'ख'

प्रश्न-3 निम्नलिखित में से किसी एक शीर्षक पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए - [1+3+1 =5]

(क) वायु प्रदूषण कारण - निदान।

(ख) चन्द्रयान - 3 की सफलता।

(ग) वन एवं जैव-विविधता संरक्षण।

(घ) अनेकता में एकता भारत की विशेषता।

प्रश्न-4 प्लास्टिक थैलियों के उत्पादन व प्रयोग पर रोक लगाने के लिए पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखिए। [1+3+1 =5]

अथवा

परीक्षावधि में डी. जे. का प्रयोग बंद कराने हेतु अपने जिले के कलेक्टर को नागरिकों की ओर से आवेदन लिखिए।

प्रश्न-5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए -

(i) फ्री लांसर किसे कहते हैं? [1]

(ii) 'फोन इन' से आप क्या समझते हैं? [1]

(iii) रेडियो द्वारा प्रसारित समाचारों के तीन प्रमुख भाग कौन-कौन से हैं? [1]

(iv) पत्रकार के कोई दो गुण लिखिए। [1]

प्रश्न-6 कविता में 'बिम्ब और छंद' के महत्त्व को समझाइए। [3]

अथवा

एक नाटककार के लिये समय का क्या महत्त्व होता है?

प्रश्न-7 "बढ़ते बाल अपराध" पर एक आलेख लिखिए। [3]

अथवा

"चुनाव के नाम पर अनावश्यक खर्च"- इस विषय पर फ़ीचर लिखिए।

खण्ड – 'ग' – आरोह

प्रश्न-8 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए -

"सोचिए

बताइए

आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है

कैसा

यानी कैसा लगता है

(हम खुद इशारे से बताएँगे, कि क्या ऐसा?)

सोचिए

बताइए

थोड़ी कोशिश करिए

(यह अवसर खो देंगे?)
आप जानते हैं कि कार्यक्रम रोचक बनाने के वास्ते
हम पूछ-पूछकर उसको रूला देंगे
इंतजार करते हैं आप भी उसके रो पड़ने का
करते हैं?
(यह प्रश्न पूछा नहीं जाएगा)"

(i) इस कविता का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए। [1+1=2]

(ii) अवसर कौन खो देगा? और कैसा अवसर? [1+1=2]

(iii) 'हम पूछ-पूछकर उसको रूला देंगे' इसमें क्या भाव निहित है? लिखिए। [2]

प्रश्न-9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

"दीवाली की शाम घर पुते और सजे
चीनी के खिलौने जगमगाते लावे
वो रूपवती मुखड़े पै इक नर्म दमक
बच्चे के घरौंदे में जलाती है दिए"

(i) काव्यांश का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। [2]

(ii) काव्यांश के शिल्प – सौंदर्य की विशेषताएँ लिखिए। [2]

प्रश्न-10 (i) 'उड़ने और खिलने' का कविता से क्या सम्बंध बनता है? लिखिए। [3]

(ii) 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्द-चित्र है, सोदाहरण समझाइए। [3]

प्रश्न-11 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

"जाड़े का दिन। अमावस्या की रात-ठण्डी और काली। मलेरिया और हैजे से पीड़ित गाँव भयार्त शिशु की तरह थर-थर काँप रहा था। पुरानी और उजड़ी बांस-फूस की झोंपड़ियों में अंधकार और सन्नाटे का साम्राज्य! अंधेरा और निस्तब्धता!

अंधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी। निस्तब्धता करूण सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हृदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी। आकाश में तारे चमक रहे थे। पृथ्वी पर कहीं प्रकाश का नाम नहीं। आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी। अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे।

सियारों का क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज़ कभी-कभी निस्तब्धता को अवश्य भंग कर देती थी। गाँव की झोपड़ियों से कराहने और कै करने की आवाज, 'हरे राम! हे भगवान!' की टेर अवश्य सुनाई पड़ती थी। बच्चे भी कभी-कभी निर्बल कंठो से माँ-माँ पुकारकर रो पड़ते थे। पर इससे रात्रि की निस्तब्धता में विशेष बाधा नहीं पड़ती थी।"

(i) इस गद्यांश में गाँव की किस विभीषिका का वर्णन है? [2]

(ii) रात्रि की निस्तब्धता कैसे भंग हो जाती थी? [2]

(iii) 'अंधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी' - आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

प्रश्न-12 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(क) 'नमक' कहानी के लेखक का नाम लिखिए। [1]

(ख) लेखक ने अर्थशास्त्र को किन आधारों पर मायावी एवं अनीतिपूर्ण कहा है? [3]

(ग) जाति प्रथा को श्रम विभाजन का एक रूप न मानने के पीछे आंबेडकर के क्या तर्क हैं? लिखिए। [3]

(घ) 'गगरी फूटी बैल पियासा' कथन के पीछे छिपी वेदना को स्पष्ट कीजिए। [3]

खण्ड – 'ग' – वितान

प्रश्न-13 'बूझ' कहानी प्राथमिक किशोर-किशोरियों को किन जीवन मूल्यों की प्रेरणा दे सकती है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। [4]

अथवा

'सिल्वर वेडिंग' पाठ के आधार पर उन जीवन मूल्यों पर विचार कीजिए जो यशोधर बाबू को किशन दा से उत्तराधिकार में मिले थे?

प्रश्न-14 (क) यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों? लिखिए। [4]

अथवा

श्री सौदलगेकर अध्यापक की किन विशेषताओं ने आनंदा के मन में कविताओं के प्रति रूचि जगाई? लिखिए।

(ख) "यह साठ लाख लोगों की तरफ से बोलनेवाली एक आवाज है। एक ऐसी आवाज, जो किसी संत या कवि की नहीं, बल्कि एक साधारण लड़की की है।" इल्या इहरनबर्ग की इस टिप्पणी के संदर्भ में ऐन फ्रैंक की डायरी के आधार पर अपना विचार लिखिए। [4]

अथवा

"टूटे-फूटे खण्डहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुए समय के भी दस्तावेज होते हैं -" स्पष्ट कीजिए।